Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 207 , 02 जनवरी, मंगलवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

आपूर्त्तिर प्रस्ताव को फिर एलजी के पास भेजेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप सरकार महत्वाकांक्षी दरवाजे तक सेवाओं की आपूत्तर्ि योजना का अपना प्रस्ताव मंजूरी के लिए फिर से उपराज्यपाल अनिल बैजल को भेजेगी। इसमें उनकी ओर से जतायी गयी हर आपत्ति पर विस्तृत जवाब होगा। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम अभी उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के बीच तकरार का कारण बना हुआ है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बैजल से पूछा कि क्या वह प्रस्ताव का विरोध कर भ्रष्ट व्यवस्था को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। हाल में बैजल ने प्रस्ताव पर पुनर्विचार के लिए कहते हुए फाइल वापस दिल्ली सरकार को भेज दिया और नागरिकों की सुरक्षा और भ्रष्टाचार सहित कई ऐतराज जताए। केजरीवाल ने कहा है कि हम अगले कुछ दिनों में सभी आपत्तियों पर विस्तृत जवाब के साथ दरवाजे तक आपूत्तर सेवा का प्रस्ताव दोबारा उपराज्यपाल को भेजेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार उपराज्यपाल की आपत्तियों पर जवाब भेजने की तैयारी में है। साथ ही कहा कि प्रस्ताव दिल्लीवासियों के लिए अच्छा है। प्रस्ताव के तहत सरकार ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र सहित 40 सेवाएं नागरिकों को दरवाजे तक पहुंचाना चाहती है।

दिल्ली में फिर मिला संक्रमित घोड़ा, हड़कंप

नई दिल्ली। सात घोड़ों में जानलेवा संक्रमण ग्लेंडर्स मिलने और सभी को जहर देकर मारने के बाद एक और घोड़े में वायरस मिले हैं। जबकि इससे पहले चार और घोड़ों में ग्लेंडर्स की मौजूदगी के संकेत पशुपालन विभाग को मिल चुके हैं। शनिवार रात एक और घोड़े में ग्लेंडर्स मिलने की सूचना ने पशुपालन विभाग को हड़कंप मच गया। रविवार को छुट्टी होने के बाद भी विभागीय टीमें घोड़ों के सैंपल लेने में जुटी रही। विभाग के मुताबिक, राजा गार्डन स्थित संजय गांधी पशु चिकित्सालय में ही एक और संक्रमित घोड़े के मिलने की जानकारी मिली है लेकिन अभी उसमें ग्लेंडर्स की पुष्टि नहीं हुई है। सोमवार शाम तक दिल्ली के करीब 200 घोड़ों की सैंपल रिपोर्ट विभाग को मिल जाएगी।विभाग के निदेशक डॉ. जितेंद्र गौड़ बताते हैं कि अब तक दिल्ली के विभिन्न इलाकों से 700 से अधिक घोड़ों के सैंपल लिए जा चुके हैं। इन सभी सैंपल को हरियाणा के हिसार स्थित राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र को भेजे गए हैं। डॉ. गौड़ का कहना है कि सोमवार तक उन्हें पहले चरण की रिपोर्ट मिल जाएगी। जिसके बाद घोड़ों के इस जानलेवा सेंक्रमण के बारे में ज्यादा जानकारी मिल सकेगी।

दिल्ली की जानलेवा आबोहवा:

साल 2016 में सांस के रोग से होने वाली मौतों में 40 फीसदी इजाफा

दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली की आबोहवा जानलेवा हो गई है। साल 2016 में दिल्ली में सांस की बीमारी की वजह से होने वाले मौतों के आंकड़ों में इजाफा हुआ है। साल 2016 में पिछले दो दशकों से देश की राजधानी में सबसे ज्यादा प्रदूषण देखने को मिला था। यह जानकारी शनिवार को राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए आंकड़ों से सामने आई है। साल 2016 में 2015 की बजाय सांस की बीमारी की वजह से 40 फीसदी ज्यादा मौतें हुई हैं। साल 2015 में 6502 लोगों की मौत हुई थी तो वहीं साल 2016 में यह आंकड़ा 9149 पहुंच गया। साल 2016 का आंकड़ा साल 2010 के बाद के वर्षों में सबसे ज्यादा थी। बता दें, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक साल 2016 और 2010 में धूल प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा था। धूल सांस और दिल की बीमारी की एक मुख्य वजह होती है। साल 2010 का आंकड़ा देखें तो सांस की बीमारी से मरने वाले लोगों की संख्या साल 2009 की तुलना में 41 फीसदी ज्यादा थी। साल 2009 में सांस की बीमारी से मरने वाले लोगों की संख्या 5328 थी, जो 2010 में बढ़कर 7525 हो गई।

आईजीआई एयरपोर्ट से 3 कारतूसों सहित यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 से सीआईएसएफ के सुरक्षाकर्मियों ने जांच के दौरान एक यात्री से 9एमएम के 3 कारतूस जब्त किए हैं। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार बंगलूरु जाने के लिए एक यात्री सुबह 6 बजे आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पहुंचा। चेक इन एरिया में उनकी जांच की गई तो सीआईएसएफ के सुरक्षा कर्मियों को उसके बैग में कुछ संदिग्ध सामान दिखा। संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर बैग की सघन तलाशी ली गई।

सोमवार। सुबह पूर्वी दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर के पास एनएच 24 पर छाया कोहरा।

50 फ्लाइटों को किया गया डायवर्ट

दिल्ली में कोहरे के कारण 200 से अधिक फ्लाइटें हुई प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में घने कोहरे के चलते इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर दृश्यता घटकर 50 मीटर तक आ गई। इस कारण 200 से अधिक फ्लाइटें प्रभावित हुई। उनमें 125 में देरी हुई तथा 50 से अधिक फ्लाइटों के मार्ग बदले गए जबकि 25 फ्लाइटें रद्द कर दी गई। हवाईअड्डे के एक अधिकारी के अनुसार 125 से अधिक उड़ानों में देरी हुई और करीब 50 फ्लाइटों के मार्ग बदलकर अन्य हवाई अड्डों की तरफ भेजी गई। करीब 25 फ्लाइटें रद्द कर दी गई। सुबह साढ़े सात बजे से ग्यारह बजकर पांच मिनट तक कोई भी विमान उड़ान नहीं भर सका। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विमानों के उड़ान भरने के लिए 125 मीटर दृश्यता की आवश्यकता होती है। दिल्ली क्षेत्र एवं आईजीआई हवाईअड्डे के लिये भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के निदेशक आरके जेनामनी ने बताया कि सुबह साढ़े पांच बजे रनवे पर दृश्यता 50-75 मीटर के बीच थी। इस साल कोहरे की यह अब तक की सबसे खराब स्थिति अनुभव की गयी है। विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि यह इस सीजन का सबसे घना कोहरा था। हालांकि दिन में दृश्यता सुधरकर 2000 मीटर तक चली गयी और परिचालन सामान्य हो गया लेकिन सुबह हुई परेशानी के चलते दिनभर विमानों में देरी हुई और यात्रियों को विमानों के लिए घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ी।

युवाओं को राजनीति और प्रशासकीय कायरे से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं पीएम : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसएनबी। देश की राजधानी दिल्ली में भी भाजपा नेताओं ने जगह-जगह समूह बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी देश की राजनीति और प्रशासकीय कायरे में युवाओं की भागीदारी को लेकर प्रतिबद्ध हैं। मोदी के मन की बात सुनने के बाद भाजपा प्रदेश प्रभारी श्याम जाजू ने कहा कि पीएम का दर्शन देश के लिए सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन गया है। लोग मोदी के मन की बात को ध्यान से सुनना चाहते हैं। गौरतलब है कि दिल्ली भाजपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने विशेष उत्साह के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम दिल्ली में 550 से अधिक स्थानों पर सामूहिक रूप से सुना। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता, महामंत्री कुलजीत सिंह चहल, रविन्द्र गुप्ता, राजेश भाटिया, पूर्व अध्यक्ष सतीश उपाध्याय के अलावा प्रदेश के अनेक पदाधिकारी और सभी 14 जिला अध्यक्षों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दिल्ली के प्रभारी श्याम जाजू ने पहाड़गंज में आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन के समीप कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी।

इस अवसर पर करोल बाग जिला अध्यक्ष भारत भूषण मदान एवं स्थानीय पार्षद श्रीमती बबीता भरीजा भी मौजूद रहे। जाजू ने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री ने अपने रेडियो प्रोग्राम को समाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया है वह हमारे लिए प्रेरणा दायक है। प्रधानमंत्री ने स्वच्छता, ग्रामीण रोजगार एवं महिला सशक्तिकरण के लिए मन की बात कार्यक्रम के प्रयोग का उल्लेख किया।

डॉक्टर से सात लाख की लूट की गुत्थी सुलझी, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के शाहबाद डेयरी थाना पुलिस ने 27 दिसम्बर को दिनदहाड़े एक डॉक्टर से सात लाख रपए की लूट की गुत्थी सुलझाते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष व भूरा के रूप में की गई है। बताया जाता है कि मनीष जिम्स इंस्टीटयुट से बीबीए की पढ़ाई कर चुका है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से लूटी गई रकम में से 4.42 लाख रु पए व वारदात के दौरान इस्तेमाल किया गया पिस्टल भी बरामद कर लिया है। फ्लिहाल मामले में पुलिस आगे की छानबीन और कार्रवाई कर रही है।पुलिस उपायुक्त रजनीश गुप्ता के मुताबिक, बवाना में स्थित अल्ट्रासाउंड क्लीनिक चलाने वाले एक रेडियोलाजिस्ट से 27 दिसम्बर को बाइक सवार दो बदमाशों ने पिस्टल के बल पर सात लाख रपए लूट लिए थे। फरार होने से पहले बदमाशों ने पिस्टल की बट से मारकर पीड़ित को घायल भी कर दिया था।

गोयल ने ट्रिपल तलाक के मुद्दे पर मुस्लिम महिलाओं से किया संवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसएनबी। केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने आज तीन तलाक के मुद्दे पर मुस्लिम महिलाओं से संवाद किया है। उन्होंने बताया कि मुस्लिम महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी को शुक्रिया बोला है। मुस्लिम महिलाएं बेहद खुश हैं। तीन तलाक बिल को राज्यसभा में भी पास कराया जाएगा। विजय गोयल ने कहा कि लोक सभा में बिल पास होने के बाद राज्य सभा में भी यह बिल पास करने के लिये वे दूसरी पार्टी के नेताओं से संपर्क करेंगे। इस बिल को राजनीति या धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। जिन पार्टियों ने लोक सभा में इस बिल को समर्थन दिया है वे राज्य सभा में इसका विरोध करने का जोखिम मोल नहीं लेंगीं क्योंकि यह बिल मुस्लिम महिलाओं के हित में है। तीन साल की सजा को लेकर जो भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं, सरकार उन्हें दूर करेगी। उन्होंने कहा कि 1400 साल पुरानी तलाक-ए-बिद्दत प्रथा देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के लिये अभिशाप की तरह है। तीन तलाक के खिलाफ कानून देश की मुस्लिम बहनों के लिए बदलाव की नई बयार लेकर आया है। इस अवसर पर हाथों में तख्तियां लेकर प्रधानमंत्री का धन्यवाद व्यक्त करने आई महिलाओं ने कहा कि सैकड़ों साल से वे तलाक ए बिद्दत के कारण डर-डरकर जी रहीं थीं।

इसके कारण उनका भविष्य अनिश्चितताओं से भरा था। छोटी सी बात पर शौहर द्वारा त्याग के बाद उनका जीवन कटी पतंग की तरह हो जाता था। लेकिन देश के प्रधानमंत्री ने न सिर्फ उनके दर्द को समझा बल्कि अपना वादा भी निभाया। इसके लिए पूरे देश की महिलाएं उनकी शुक्रगुजार हैं। मोदी की दृढ़ता के कारण ही मुस्लिम बहनों पर लटकती तीन तलाक की तलवार हम हमेशा के लिये हटने वाली है।

सवारी बन लूटपाट करने वाले गिरोह के छह बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। सरिता विहार थाना पुलिस ने बदमाशों के एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो पहले तो कैब में सवारी बनकर सवार होते थे और बाद में हथियार के बल पर कैब चालक से कैब समेत नगदी व अन्य कीमती सामान लूट कर फरार हो जाते थे। पुलिस ने अपनी कार्रवाई के दौरान गिरोह के छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान मदनपुर खादर निवासी धर्मबीर उर्फ धम्मू (21), मोहम्मद साहिब (19), रवि उर्फ गौतम (26), विक्की उर्फ धांचा (19), राजू उर्फ कल्लू (19) और हीरा (19) के रूप में हुई है। इनमें धर्मबीर गिरोह का सरगना बताया जा रहा है। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने लूटी गई तीन कार, नकली पिस्टल, दो चाकू व एटीएम कार्ड के साथ अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिश्वाल ने बताया कि बीते 27 दिसंबर को सरिता विहार थाना में कैब चालक दिनेश कुमार सिंह ने लूटपाट की शिकायत की थी। उसने बताया कि तीन युवक सवारी बनकर उसके कैब में सवार हुए और बाद में चाकू के बल पर कैब समेत उसे अगवा कर लिया और लूटपाट कर उसे यमुना किनारे जंगलों में फेंक कर फरार हो गए। केस दर्ज होने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की एक टीम गठित की गयी।

प्राथमिक जांच में पार्किंग विवाद के चलते विनय को गोली मारने की बात सामने आई

पब में छोटी सी बात पर दो लोगों के बीच हुआ झगड़ा, मारी गोली

नई दिल्ली। नई दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में शनिवार देर रात पब में किसी बात को लेकर दो युवकों में झगड़ा हो गया। इस दौरान एक युवक ने दूसरे को गोली मार दी। घायल युवक को पुलिस ने ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है। वहीं आरोपी को मौके पर मौजूद लोगों ने जमकर पीट दिया। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहां से छुट्टी मिलने के बाद उसे हत्या प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस उपायुक्त रोमिल बानिया ने बताया कि प्राथमिक जांच में पार्किंग विवाद के चलते विनय को गोली मारने की बात सामने आई थी। लेकिन होश आने पर विनय ने पुलिस को बताया कि उसे पब के अंदर गोली मारी गयी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पब में हथियार लेकर युवक कैसे घुसा। इसके साथ ही देर रात तक यह पब कैसे चल रहा था, इसकी भी जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार शनिवार देर रात ग्रेटर कैलाश एम ब्लॉक की पार्किंग में गोली चलने की कॉल मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि घटना में सरिता विहार निवासी 30 वर्षीय विनय भाटी को गोली लगी है।

घायल को पीसीआर की टीम अस्पताल ले जा चुकी थी। मौके पर पुलिस को आरोपी गोविंदपुरी निवासी उमेश उर्फ आदित्य घायल अवस्था में मिला। लोगों ने वारदात के बाद पकड़कर उसकी पिटाई कर दी थी। उसे भी उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि देर रात पार्किंग को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो रहा था। उसी दौरान उमेश ने विनय को गोली मार दी। पुलिस ने हत्या प्रयास का मामला दर्ज कर वारदात में इस्तेमाल हथियार जब्त कर लिया है। वारदात में घायल विनय की गर्दन के पास गोली लगी है। डाक्टरों ने पुलिस को बताया कि उसकी हालत खतरे से बाहर है। रविवार सुबह उसे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया।

पुलिस पर लीपापोती का आरोप

वारदात में घायल हुए विनय के परिजनों ने ग्रेटर कैलाश थाने की पुलिस पर लीपापोती का आरोप लगाया है। पुलिस ने पब के भीतर हुई इस घटना को बाहर पार्किंग का विवाद बनाने की कोशिश की।

देर रात तीन बजे तक यह पब अवैध रूप से पुलिस की मिलीभगत से चल रहा था। इसे छुपाने के लिए घटना को पुलिस ने पब के बाहर दिखाने की कोशिश की।

सपा कार्यकर्ताओं का केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश समाजवादी पार्टी ने पानी की बढ़ी हुई कीमत के खिलाफ रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन किया। कापरनिक्स मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए सपा कार्यकर्ता मंडी हाउस होते हुए सिविल लाइन स्थित केजरीवाल के घर तक पहुंच गए। अमूमन प्रदर्शनकारियों को चंदगीराम अखाड़े के पास रोक दिया जाता है लेकिन आज वे केजरीवाल के घर तक पहुंचने में सफल रहे। सपा नेताओं ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और शांति पूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर वापस लौट आए।गौरतलब है कि सुबह पार्टी कार्यालय में प्रसिद्ध समाजवादी नेता राजनारायण की पुण्य तिथि मनाने के बाद लामबंद होकर सैकड़ों समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ गए। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री से सवाल पूछ रहे थे कि बिजली हाफ और पानी माफ का वादा कहां गया? प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे दिल्ली सपा के प्रमुख महासचिव व प्रवक्ता आरएस यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने जो भी वादे किए उसे पूरा नहीं किया गया। पानी की कीमत बढ़ा दी। बिजली की कीमत भी बढ़ने वाली है। परिवहन की व्यवस्था लचर है। ट्रैफिक की समस्या बनी हुई है। प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री नए साल का जश्न मनाने अंडमान गए हैं। अच्छा होता कि वे गरीबों के बीच नया साल मनाते।

मृतकों में पति-पत्नी के अलावा आठ साल का बच्चा भी शामिल

एक ही परिवार के तीन सदस्यों के घर से शव बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जानकारी के मुताबिक करीब डेढ़ साल पहले अजय के बड़े भाई ने भी खुदकुशी कर ली थी। जिसके बाद से ही अजय अपने परिवार समेत बड़े भाई के परिवार की भी देखभाल कर रहा था। इस घटना के बाद से पूरा परिवार शोक में डूब गया है। फिलहाल पुलिस प्राथमिक जांच के बाद यह मानकर चल रही है कि अवसाद में जी रहे अजय ने पहले अपनी पत्नी व बच्चों को मारा और बाद में सभी को मरा हुआ जानकर खुद भी फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली। दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के छावला थाना इलाके में स्थित

मृतकों में पति-पत्नी के अलावा आठ साल का बच्चा भी शामिल

12 साल की बच्ची की जान बचाई गई

एक घर में रविवार की सुबह एक ही परिवार के तीन सदस्यों के मृत अवस्था में पाए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मरने वालों में पति-पत्नी व एक आठ साल का बच्चा भी है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मरने वालों की पहचान अजय (38), उसकी पत्नी मंजू (35) व आठ वर्षीय बेटा मगन के रूप में की गई है। पुलिस को घर के दूसरे कमरे से मृतक अजय की 12 वर्षीय बेटी भी अचेत अवस्था में मिली, जिसे फौरन इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनास्थल से अजय का लिखा एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें अजय ने आत्महत्या के पीछे की वजह अवसाद में होने को बताया है। उधर पुलिस प्राथमिक जांच के बाद फ्लिहाल इस मामले को हत्या के बाद आत्महत्या किए जाने की घटना मानकर जांच कर रही है। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का भी इंतजार कर रही है। पुलिस उपायुक्त शीबेश सिंह ने बताया कि छावला इलाके में रहने वाला अजय प्रोपर्टी डीलर के तौर पर काम करता था। उसकी शादी मंजू से हुई थी। दोनों की एक 12 साल की बेटी और 8 साल का बेटा भी था। घर के पड़ोस में ही अजय के बड़े भाई का परिवार भी रहता है। घटना रविवार सुबह की है। इस दौरान अजय के बड़े भाई के बच्चे अजय के बेटे मगन को खेलने के लिए बुलाने पहुंचे। जहां पहुंचकर बच्चों ने देखा कि उनके चाचा अजय पंखे से लटके हुए हैं, जबकि अजय की पत्नी और मगन पास में बिस्तर पर अचेत अवस्था में पड़े हुए हैं, जबकि अजय की बेटी पास के ही कमरे में बेहोशी की हालत में पड़ी हुई है। तुरंत शोर मचने के बाद आसपास के लोग वहां एकत्रित हो गए। पुलिस को भी मामले की सूचना दी गई। मौके से चारों को उठाकर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने अजय, उसकी पत्नी मंजू व बेटा मगन को मृत घोषित कर दिया, जबकि बेटी का इलाज किया जा रहा है। घटनास्थल से अजय की मां और बहन को अजय का लिखा एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने आत्महत्या का कारण अवसाद में होने को बताया है।

हमारी प्रार्थना सर्व-सामान्य की भलाई के लिए होनी चाहिए क्योंकि ईर जानता है कि हमारे लिए क्या अच्छा है -सुकरात

सियासी बंवडर

सियासी बंवडर के बावजूद फिल्म पद्मावती में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को महज नाम और कुछ छोटे-मोटे बदलाव ही समझ में आए। जाहिर है, ये बदलाव भी बहुत हद तक राजनैतिक प्रकृति के ही हैं। ऐसा लगता है, जैसे विवाद से बचने के लिए किसी साझा बिंदु पर पहुंचने की समझदारी दिखाई गई हो। असल में इस विवाद में यह तो पहले ही साफहो गया था कि विरोध करने वाले फिल्म को देखे-जाने बगैर ही किन्हीं अनुमानों पर भड़क रहे हैं। फिलहाल राजपूत करणी सेना के प्रमुख लोकेंद्र सिंह कालवी ने कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन वे या करणी सेना जैसे दूसरे संगठन पहले ही इतना कड़ा रु ख अख्तियार कर चुके हैं कि शायद उससे पीछे हटने में थोड़ा वक्त लगे। यह विवाद जितनी जल्दी मिट जाए, उतना भला है। सिर्फ फिल्मकारों या रचनात्मक बिरादरी के लिए ही नहीं, कालवी जैसे नेताओं के लिए भी क्योंकि बिना बात अगर ज्यादा मामला खींचता है तो उन जैसे लोगों की छवि भी यही बनेगी कि वे बिना बात के अपने राजनैतिक हितों के खातिर विवाद को तूल दे रहे हैं। दरअसल, इसके सियासी फलक को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब इस फिल्म को लेकर नया विवाद उभरा (इसके पहले फिल्म निर्माण के वक्त इसके सेट में तोड़-फोड़ और निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ मार-पीट की घटनाएं हो चुकी हैं) तो चुनाव का दौर चल रहा था, जिस पर दांव ऊंचे लगे थे। बहरहाल, वह संपन्न हो चुका है। बेशक, यह दलील दी सकती है कि किसी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश किसी भी रूप में नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि इतिहास और साहित्यिक रचनाओं में फर्क होता है। मौजूदा फिल्म पद्मावती या अब पद्मावत अपने इसी नाम के मलिक मुहम्मद जायसी की इसी नाम के महाकाव्य पर आधारित है। आप अगर यह ख्याल रखें कि हिन्दी साहित्य में जायसी का कितना ऊंचा स्थान है और उनकी मूल भावना प्रेम के आध्यात्मिक पहलू का वर्णन है तो हमें अपना विरोध मामूली बातों पर व्यक्त करने के पहले यह भी सोचना चाहिए कि हम किस गौरवशाली परंपरा पर सवाल उठा रहे हैं। किसी समाज की बौद्धिक परंपरा उखड़ जाए तो उसे पतन के गर्त में जाने से नहीं बचाया जा सकता है। इसलिए यह विवाद जितन जल्दी खत्म हो जाए, उतना बेहतर।

लापरवाही से घटनाएं

मुंबई के लोअर परेल स्थित कमला मिल कंपाउंड में बने वन अबव रेस्टोरेंट में लापरवाही के दानव ने कुछ ही मिनटों में सबकुछ तहस-नहस कर दिया। हादसे में 15 लोगों की जानें गई और 15 से ज्यादा जख्मी हो गए। देश में आग लगने की वैसे तो कई घटनाएं होती हैं और ज्यादातर में लापरवाही की बात ही उजागर होती है। इसमें लगी भीषण आग ने भी रेस्टोरेंट की कई तरह की घोर लापरवाही और सरकारी सिस्टम की काहिली को बेपर्दा कर दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस रेस्टोरेंट द्वारा अवैध निर्माण की असंख्य शिकायतें मुंबई नगरपालिका (बीएमसी) से की गई थी, मगर शिकायतों को रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया। जायज बातों को अगर बीएमसी संवेदना के स्तर पर सुनती और अमल करती तो आज कइयों के चेहरे पर मुस्कान बिखर रही होती। वैसे, यह हाल के कुछसालों का चलन है। सिविक एजेंसियां जिम्मेदारी से बचने की जुगत में लगी रहती है। इससे पहले भी बीएमसी की बर्बर लापरवाही का दृश्य देशवासी पिछले महीने बारिश के वक्त देख चुके हैं, जब मेनहोल खुला रहने की वजह से शहर के नामी डॉक्टर की दर्दनाक मौत हो गई थी। कमला मिल कंपाउंड की घटना में जितना दोष रेस्टोरेंट प्रबंधन को दिया जा रहा है, उससे कहीं ज्यादा दोषी बीएमसी है। अब यह तय करने का वक्त आ गया है कि सरकार सिर्फ निलंबन की सतही कार्रवाई कर अपनी खाल बचाती रहेगी या कुछ ऐसे फैसले भी लेगी जो नजीर बन सके। आखिर इस सवाल का जवाब तो बीएमसी और सरकार को देना ही होगा कि इस रेस्टोरेंट के अवैध निर्माण पर उसने आंखें क्यों मूंद रखी थी? क्यों रेस्टोरेंट मालिक ने रूफटॉप रेस्टोरेंट चलाने का लाइसेंस नहीं मिलने के बावजूद उसे खोला? आखिर क्यों उसने आग से बचाव वाले उपकरणों को लगाने में लापरवाही बरती और क्यों बाहर निकलने के स्थानों को संकरा रखा? राजधानी दिल्ली के ''उपहार कांड' का उदाहरण हमारे सामने है। कम-से-कम सिविक एजेंसियों को इन सबसे सबक लेने की जरूरत है। फायर एग्जिट नीति को आमतौर पर बेहद सतही ढंग से लेने की आदत को तिलांजलि देनी होगी। साथ ही जिम्मेदार संस्थाओं को नैतिक तौर पर ईमानदार होना होगा। सियासत से परे हटकर कुछ तार्किक फैसले जब तक नहीं लिये जाएंगे, संवेदनाएं इसी तरह झुलसती रहेंगी।

सत्संग

क्रोध की ऊर्जा

मनुष्य के जीवन में रूपांतरण की प्रक्रिया को समझने और उनका अनुपालन करने से अनेकों समस्याएं स्वत: समाधान से परिवर्तित हो जाती हैं। चिंतकों का मानना है कि क्रोध की ऊर्जा को रूपांतरित कर मनुष्य अपने आपमें करुणा का भाव पैदा कर सकता है। वासना भी संयम में परिवर्तित हो सकती है। व्यक्ति इंद्रियों पर नियंतण्रकर सकता है। भोग की वासना परमात्मा को अर्पित होते ही व्यक्ति का भोग भी योग में परिवर्तित हो जाता है। व्यक्ति अपने सद्प्रयासों से दुष्प्रवृत्ति को श्रेष्ठ आचरण में बदल सकता है। यही नहीं, अपितु जो ज्ञानी जन हैं वे दुख में सुख देख लेते हैं, गम में भी खुशी ढूढ़ लेते हैं, और अपने सद्प्रयासों के सहारे पतझड़ में मधुमास पा लेते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम दुरूह परिस्थितियों में भी आनंदमय जीवन जीने का तरीका ढूंढ निकालें। क्योंकि हमारी उत्पति ही आनंद से हुई है। इसलिए आज के इस दौड़-धूप भरे जीवन में परमात्मा से यही प्रार्थना करें कि हे प्रभु, अपने कानों से हम अच्छा सुनें और आंखों से अच्छा देखें। मनुष्य योनि सर्वश्रष्ठ है। यह शरीर भी प्रभु कृपा से ही मिलता है। मेरा मानना है कि हर एक को प्रभु की शरणागति स्वीकार करनी ही पड़ती है। संयम साधने के लिए, चिंतन मनन करने के लिए और प्रज्ञाबुद्धि को स्थितप्रज्ञ बनाने के लिए भी उस परमात्मा के कृपा की आवश्यकता पड़ती ही है। इन्द्रियों को, मन, बुद्धि को वश में करने के लिए भी प्रभु कृपा नितांत आवश्यक है। बड़े-से-बड़ा दुख क्यों न हो, वह भी कम लगने लगता है। जब परमात्मा अपनी कृपा रूपी छतरी व्यक्ति के सिर पर रख देते हैं। व्यर्थ के विवाद-प्रतिवाद को आपसी प्रेम में, भाईचारे में रूपांतरित करने का प्रयास करें। दूसरों के दोष, दुगुर्ण यदि इस प्रसन्नता पूर्वक देखें और सहन करें। बदला लेने की भावना को छोड़कर यदि हम स्वयं को बदल लें तो बात बनते देर नहीं लगती है। अपने संकल्प बल को जागृत कर प्रभु की कृपा और करुणा से हम पाप कर्मो से छुटकारा पा सकते हैं। बस, बात परिवर्तन की है। कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ। रत्नाकर आगे चलकर बाल्मिकी बने। तुलसीदास जी ने कहा है कि विषय-भोग रूपी घी से कभी भी कामनाओं की अग्नि नहीं बुझेगी। यदि हम स्वयं में थोड़ा परिवर्तन कर सकें और प्रभु की भक्ति में अपने मन को लगा सकें, तो ये सारी कामनाएं स्वत: जलकर भस्म हो जाएंगी।

अंतिम संसदीय दल की बैठक

प्रधानमंत्री न जाने सांसदों की बैठक में कितनी बार अनुरोध कर चुके हैं कि आप सोशल मीडिया पर सदा सक्रिय रहिए, अपने क्षेत्र की जतना से सतत संपर्क में रहिए और सरकार के कामकाज का लगातार प्रसार करिए। कई बार प्रधानमंत्री ने कड़े शब्दों में अपनी नाराजगी भी प्रकट की कि अनेक सांसद उनके अनुरोध की अनसुनी करते हैं। आने वाले प्रश्नों और प्रतिक्रियाओं का वे जवाब नहीं देते। दूसरे, वे अपने क्षेत्र की जनता से जितना संपर्क बनाए रखना चाहिए उतना नहीं रखते। और तीसरे, वे सरकार के कामकाज को ठीक प्रकार से प्रचारित नहीं कर रहे हैं। यही बातें 29 दिसम्बर की बैठक में भी उन्होंने कही।

सतीश पेडणोकर

नये वर्ष के पहले दिन को लोग अपने-अपने अनुसार मनाते हैं। राजनीतिक दल कैसे मनाएंगे यह उनकी स्थिति पर निर्भर करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2017 के अंतिम संसदीय दल की बैठक में जो बातें कही उनसे पता चलता है कि वर्ष 2018 एवं उसके बाद 2019 के आम चुनाव के लिए उनकी चिंता कहां जाकर टिक रहीं हैं। हालांकि सुनने में बात बहुत छोटी लगती है लेकिन इसका आयाम काफी विस्तृत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनेक सांसद उनके गुड मॉर्निंग तक का जवाब नहीं देते। प्रधानमंत्री न जाने सांसदों की बैठक में कितनी बार अनुरोध कर चुके हैं कि आप सोशल मीडिया पर सदा सक्रिय रहिए, अपने क्षेत्र की जतना से सतत संपर्क में रहिए और सरकार के कामकाज का लगातार प्रसार करिए। कई बार प्रधानमंत्री ने कड़े शब्दों में अपनी नाराजगी भी प्रकट की कि अनेक सांसद उनके अनुरोध की अनसुनी करते हैं। आने वाले प्रश्नों और प्रतिक्रियाओं का वे जवाब नहीं देते। दूसरे, वे अपने क्षेत्र की जनता से जितना संपर्क बनाए रखना चाहिए उतना नहीं रखते। और तीसरे, वे सरकार के कामकाज को ठीक प्रकार से प्रचारित नहीं कर रहे हैं। यही बातें 29 दिसम्बर की बैठक में भी उन्होंने कही। उनके कहने का अर्थ बिल्कुल स्पष्ट था कि जो सांसद उनके गुड मॉर्निंग तक का जवाब नहीं देते वे सोशल मीडिया पर कितने सक्रिय रहते होंगे एवं जनता से कितना संपर्क रखते होंगे। बात सही है और चिंतित करने वाली है। किसी भी पार्टी का चुनावी भविष्य इसी बात पर निर्भर करता है कि उसके जन प्रतिनिधि या जन प्रतिनिधि बनने का ख्वाब रखने वाले नेता जनता से संपर्क के हर मंच और अवसर पर कितना सक्रिय रहते हैं। अगर उनका जनता से ठीक प्रकार से संपर्क ही नहीं है तो फिर जनता भी उनका साथ नहीं देती। यही नहीं अगर आप सरकार में हैं तो आपका प्राथमिक दायित्व न केवल संपर्क रखने का है, जनता की शिकायतें सुनकर उनको दूर करने का कदम उठाना है, बल्कि सरकार के जो कार्य हैं, जो नीतियां हैं उनको जनता तक पहुंचाना, उनके प्रति जागरूक करना है। सरकारी कार्यक्रमों से उनको जोड़ना है। अगर आप यह करते हैं तो फिर लोग सीधे आपसे और सरकार से भी जुड़ते हैं। सांसदों, विधायकों की यह जिम्मेवारी है। प्रधानमंत्री मोदी के कहने का अर्थ है ऐसा उनके सांसद नहीं कर रहे। वस्तुत: दल आधारित संसदीय लोकतंत्र में दलों की चुनावी नियति जनता से सतत संपर्क पर ही निर्भर करता है। आप अच्छी से अच्छी योजना दे दीजिए, लेकिन यदि जन प्रतिनिधि उसे लेकर जनता के बीच स्वयं नहीं जाते, उनके क्रियान्वयन पर नजर नहीं रखते, जनता को और पार्टी कार्यकर्ताओं को उससे सीधे जोड़कर योजना को वाकई जन योजना में परिणत करने के लिए काम नहीं करते तो फिर योजना भी असफल हो जाएगी। भारत का दुर्भाग्य रहा है कि धीरे-धीरे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की सारी जिम्मेवारी सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों पर निर्भर हो गया। इसी कारण अच्छी से अच्छी योजना भी जनता तक को अपेक्षित लाभ नहीं पहुंचा सकी। अनेक योजनाएं तो सरकारी कर्मियों दलालों के बीच ही सिमट कर रह गया। मोदी स्वयं 12 वर्ष तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं, उसके पहले भाजपा संगठन में प्रमुख जगह रहे हैं, इसलिए उनको सरकारी कायरे का भी अनुभव है और नेताओं की भूमिका के महत्त्व का भी। इसलिए वे सांसदों की बैठकों में लगातार उनको सचेष्ट और सक्रिय रहने की सीख देते हैं। प्रधानमंत्री ने कई ऐसे ऐप भी बना दिए हैं, जिन पर सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की पूरी जानकारी होती है। किंतु उनके द्वारा बार-बार ऐसा कहने का अर्थ है कि उनके सांसद उनकी अपेक्षा के अनुरूप सचेष्ट और सक्रिय नहीं हैं। इससे समस्याएं आएंगी। इस बार की बैठक में उनकी नाराजगी का एक बड़ा कारण गुजरात चुनाव के दौरान आई चुनौतियां भी हो सकतीं हैं। गुजरात में जनता की सरकार से नाराजगी थी लेकिन वहां के सभी सीटों से जीते 26 सांसदों को इसका पूरा आभास नहीं था। इसका अर्थ है कि उनको जितना काम जनता के बीच करना चाहिए था नहीं किया। जनता के बीच केंद्र सरकार के काम का जितना प्रचार होना चाहिए था उतना नहीं था। मीडिया में स्थानीय लोगों से बातचीत पर जितनी रिपोर्टिंग आ रही थी उनसे यह प्रमाणित होता था। इसका यह भी अर्थ है कि सोशल मीडिया के माध्यम से जनता की प्रतिक्रियाओं पर जितनी नजर रखनी चाहिए थी नहीं रखी गई। वैसे भी प्रधानमंत्री ने यह देखा कि गुजरात चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर जितनी तीव्र सक्रियता और आक्रामकता कांग्रेस की ओर से थी वैसी भाजपा की नहीं थी।

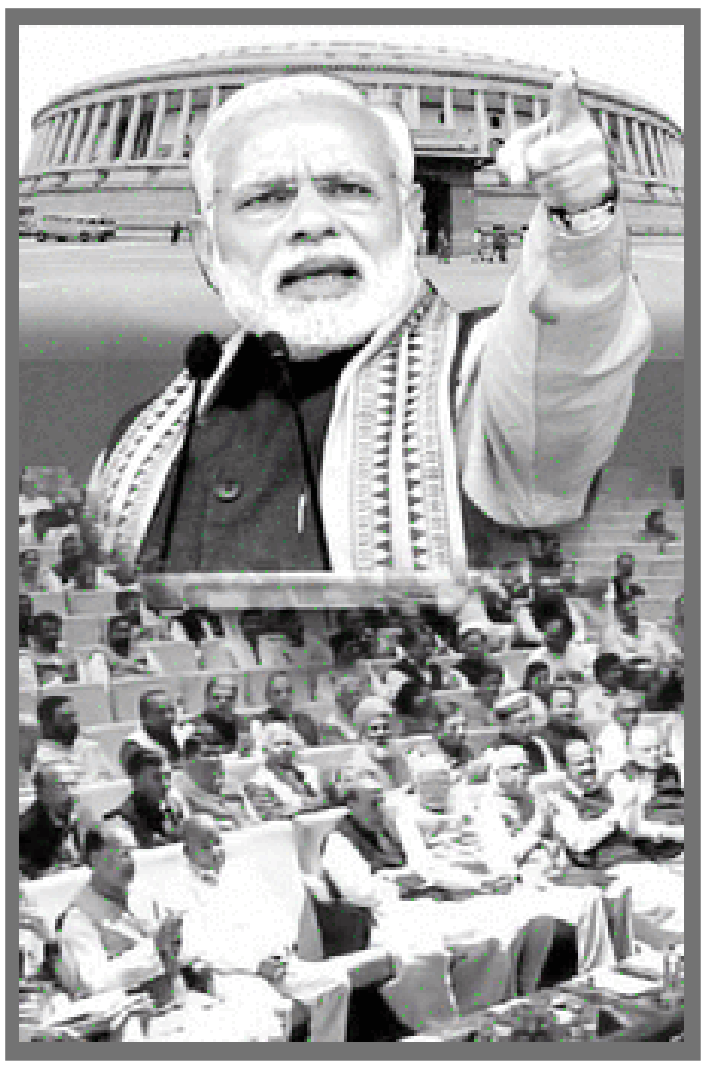

क्यों? साफहै कि सांसद और विधायकों ने प्रधानमंत्री की सीख को पूरी तरह व्यवहार में नहीं उतारा है। यह तो दिखाई पड़ता है कि प्रधानमंत्री की लगातार नसीहत का असर नेताओं पर पड़ा है, लेकिन उनके सोशल मीडिया अकाउंटों पर जाएं तो जन्म दिन की शुभकामनाएं, किसी काम के लिए प्रधानमंत्री या मंत्री को बधाई या फिर आपने किसी कार्यक्रम में भाग लिया उसके प्रचार के सिवा ज्यादा कुछ नहीं मिलता। साढ़े तीन साल सरकार चलाने के बाद सांसदों एवं मंत्रियों की ऐसी स्थिति पर प्रधानमंत्री का क्षुब्ध होना वाजिब है। एक समय था जब सोशल मीडिया पर भाजपा और उसके समर्थक सबसे ज्यादा सक्रिय थे। भाजपा के नेता माने या न माने उनके समर्थकों की आक्रामकता गायब हो गई है। कांग्रेस ने उनका एक हद तक स्थानापन्न किया है। प्रधानमंत्री को सांसदों पर नाराज होने के साथ यह भी सोचना होगा कि ऐसा क्यों हुआ है? क्या मोदी की नसीहत के बाद उनके नेता और सांसद वाकई स्वयं पहल कर जनता से सतत संपर्क बनाए रखने की कोशिश में मीडिया, सोशल मीडिया या इससे परे भी भाजपा के समर्थन में सक्रिय रहने वालों की खोजबीन कर फिर से उनको भावनात्मक रूप से साथ लाने की कोशिश करेंगे? इसका उत्तर समय देगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो भाजपा के लिए चुनौतियां बढ़ जाएंगी।

चलते चलते

''नये साल में नशा

नये साल जैसे मौकों के नजदीक आते ही इनकी गतिविधियां तेज हो जाती हैं। शौक के नाम पर इनकी मांग बढ़ जाती है। आमतौर पर छात्र मादक पदार्थो की लत के अपने शौक को होटल, पब या बार में पूरा करते हैं।

मादक पदार्थों का धंधा करने वालों के लिए अरसे से विविद्यालय परिसर सॉफ्ट टारगेट रहे हैं। यहां अपनी पैठ मजबूत करने के लिए वे कुछ छात्रों को अपने साथ मिला लेते हैं। नये साल जैसे मौकों के नजदीक आते ही इनकी गतिविधियां तेज हो जाती हैं। शौक के नाम पर इनकी मांग बढ़ जाती है। आमतौर पर छात्र मादक पदार्थों की लत के अपने शौक को होटल, पब या बार में पूरा करते हैं। इस रैकेट में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तीन प्रतिष्ठित विविद्यालय-दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिन्दू कालेज, जेएनयू और एक एमिटी यूनिर्वसटिी है जहां के चार छात्र इस मामले में दबोचे गए हैं। इनके पास से 1.140 किलो मादक पदार्थ और तीन एलएसडी ब्लोट पेपर बरामद किया गया है। लेकिन क्या छात्रों का ऐसे धंधे में शामिल होना महज नये साल के जश्न में गाफिल होने भर से माना जाए या गम मिटाने के इस गोरखधंधे में छात्रों की भागीदारी खतरनाक स्तर तक पहुंज चुकी है? सरकार और जांच एजेंसियों को इस मसले पर ज्यादा सतर्क रहना होगा। जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी इस मायने में ज्यादा है कि उसे उस सिरे की खोज करनी होगी जो अदृश्य सरीखा है। कहने का मतलब कि मादक पदार्थो को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने की कड़ी की पहचान कर उसे शिकंजे में लेना होगा। क्योंकि ये बेहद शातिर तरीके से काम करते हैं। दरअसल, बेहद मुनाफे के अर्थशास्त्र वाले इस धंधे में कुछेक ग्राम के मादक द्रव्यों की कीमत हजारों में होती है। वैसे तो इसका खरीदार उच्च वर्ग ही होता है। लेकिन छात्र एक दूसरे की देखा-देखी शौकिया इसकी गिरफ्त में आ जाते हैं। एक बार लत लग जाने के बाद इसका आदी किसी भी कीमत पर इसे पाने के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहता है। कुछ भी करने का यह रास्ता ज्यादातर अपराध के रास्ते होकर गुजरता है। यह एक ऐसा दलदल है जिसमें हर कोई धंसता चला जाता है। विवि परिसर के स्तर पर ही इस प्रकार की गतिविधियां रोकने में वहां के छात्रों की भूमिका सबसे अहम है। क्योंकि वही इस बात को शुरुआती तौर से जानता और समझता है। विवि प्रशासन को भी इस मसले पर खुद की सूचना ईकाई को मजबूत करना होगा। जिससे इस प्रकार के गिरोहों को पस्त किया जा सके। ''नये साल में नशा नहीं करने देंगे' की शपथ भी लेनी होगी।

फोटोग्राफी...

धरती के कोने में ग्लेशियर टूटने से बन रहा है बर्फ की सुनामी का दृश्य

यह फोटो ग्रीन लैंड के सबसे आगे के छोर पर स्थित एक्क्रिग्लेशयिर का है, जहां जून से सि तंबर तक ही जा सकते हैं। कुछ दिन पहले वैज्ञानिकों का एक समूह खोज अभि यान पर यहां आया था, तब इस ग्लेशियर की फोटोग्राफी की गई। इस हिस्से को धरती का कोना भी कहा जाता है। फोटोग्राफर मैड्स फिल ने बताया कि इस ग्लेशियर का अगला हिस्सा टूट कर बि खर रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे बर्फ की सुनामी आने वालीहो। कोई भी वहां ज्यादा समय नहीं ठहर सकता था। ग्रीन लैंड के आखरी कस्बे से तीन घंटे की नाव यात्रा करके वैज्ञानिक यहां पहुंचे थे। उनके अनुसार यहां कुछ ग्लेशयिरों की कुल ऊंचाई 30 मंजि ला इमारत जितनी है, लेकिन कुछ बहुत तेजी से पि घल रहे हैं। उससे समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है।cnn.com

औरत के लिए लाभकारी

तलाक-ए-बिदत जिसे आम तौर मीडिया तीन तलाक के नाम से प्रचारित करता है को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अमान्य करार दिए जाने के बाद अब इंस्टेंट तीन तलाक की तरह ही एक ही झटके में बिना सोचे-समझे लोक सभा ने उसे अपराध मानते हुए एक विधेयक पारित कर दिया। इसके तहत ऐसा करने वाले पति को तीन साल तक की सजा होगी और अपनी पत्नी और बच्चों का भरण-पोषण भी करना होगा। यही नहीं यह संज्ञेय अपराध माना जाएगा। हालांकि अभी यह कानून नहीं बना है लेकिन राज्य सभा से पारित होने के बाद यदि इसी रूप में यह कानून बन गया तो यकीनी तौर पर यह औरत के लिए लाभकारी नहीं बल्कि जुल्म के रूप में सामने आएगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक एक नशिस्त में तीन बार तलाक कहने पर तलाक मुकम्मल नहीं माना जाएगा बल्कि यह अमान्य है। जब तलाक हुआ ही नहीं तो फिर पति को किस बात के लिए सजा दी जाएगी। यही नहीं यह साबित करने की जिम्मेदारी भी महिला पर होगी कि उसके पति ने ऐसा किया है। अगर यह मान भी लिया जाए कि किसी पति ने ऐसा किया और पुलिस में पत्नी ने एफआईआर कराई, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे जेल भेज दिया। क्योंकि कानून मंत्री ने अपना बिल पेश करते हुए कहा कि अगर कोई पति इंस्टेंट तीन तलाक देता है तो उसे तीन साल की सजा होगी। अब यह बात समझ से परे है कि आखिर जेल में रहते हुए वह पति कैसे पत्नी और बच्चों का भरण-पोषण करेगा। दूसरे; जब उसे तीन साल की सजा हो जाएगी तो पति-पत्नी में मसालहत की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। और तीन माह तक अगर पति-पत्नी में दोबारा साथ रहने के लिए रजामंदी नहीं होती तो तीन माह के बाद एक नशिस्त में तीन बार तलाक कहने को एक तलाक नहीं बल्कि तीन तलाक की हैसियत हासिल हो जाएगी। जो तलाक-ए-बिदत न होकर तलाक-ए-एहसन की श्रेणी में आ जाएगी। हालांकि नया प्रस्तावित कानून इस बारे में कुछ नहीं कहता। इसके अलावा सरकार यह भी नहीं बता पा रही है कि ऐसा कौन पति होगा, जिसे उसकी पत्नी तीन साल सजा करा चुकी है और वह फिर एक साथ रहने को राजी हो जाएगा। यह कदापि नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट और नये कानून के हिसाब से तलाक होगा नहीं तो वह महिला जो तलाक के बाद दूसरी शादी कर अपनी नई जिंदगी शुरू कर सकती थी वह हक भी यह कानून उससे छीन लेगा। क्योंकि तलाक के बिना दूसरी शादी नहीं होगी। इस कानून से भ्रमित होने वाली औरतें जब इस रास्ते पर चल पड़ेंगी तो उनकी भी एक बड़ी संख्या ऐसी हो जाएगी जो न शादीशुदा होंगी और न तलाकशुदा ही रहेंगी। यह भी उसी कतार में शामिल हो जाएंगी। सरकार अगर मुस्लिम महिलाओं की हमदर्द होती तो इस कानून में उनके पुनर्वास की व्यवस्था करती जो उसने नहीं की। या पति-पत्नी में समाझौते के हालात पैदा करने के मौके बनाती जो नहीं किया गया। क्योंकि सरकार का मकसद मुस्लिम महिलाओं की हमदर्दी नहीं बल्कि मुस्लिम समाज में तफरीक पैदा करना उसका मन्तव्य है। इसीलिए मुस्लिम महिलाओं को भ्रमित किया जा रहा है, ताकि वह मदरे के साथ बराबरी के हक के साथ रहने के बजाए उनके मुकाबले पर खड़ी हो सकें और समाज में एक नये किस्म का बंटवारा हो। जैसे शिया-सुन्नी, देवबंदी-बरेलवी या इसी तरह के और मसलकी विभेद हैं। सरकार का यह कदम मुस्लिम महिलाओं जुल्म के मानिंद है। आरएसएस का एजेंडा भी मुस्लिम विरोधी है। वह मुस्लिम समाज के भले के बारे में नहीं सोचती। कुल मिलाकर इस कानून के बारे में जो ढिंढोरा पीटा गया वैसा तो कुछ नहीं बस मोदी सरकार का इस बिल की आड़ में एक नया इवेंट ही मात्र है।

ओपी सिंह होंगे नए डीजीपी

लखनऊ (ईएमएस)। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी ओम प्रकाश सिंह उत्तर प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक होंगे। श्री सिंह केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में तैनात हैं। श्री सिंह यूपी के वर्तमान पुलिस महानिदेशक सुलखान सिंह की जगह लेंगे। पुलिस महानिदेशक सुलखान सिंह अपना चार्ज अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था आनन्द कुमार को सौंपकर 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्त हो गये हैं। मुख्य सचिव राजीव कुमार, प्रमुख सचिव गृह अरविन्द कुमार और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एसपी गोयल की कमेटी ने केन्द्र सरकार से श्री सिंह को केन्द्रीय सेवा से जल्द अवमुक्त करने की गुजारिश की है ताकि वह यहां कार्यभार ग्रहण कर सकें। प्रमुख सचिव गृह अरविन्द कुमार ने मीडिया को बताया कि श्री सिंह जल्द ही डीजीपी पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। यहां यह बताना जरूरी है कि यूपी के नये डीजीपी 1983 बैच के आईपीएस हैं। वर्तमान में वह सीआईएसएफ के पद पर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। श्री सिंह वरिष्ठता में सबसे लम्बे कार्यकाल वाले 7 वें नम्बर के अफसर हैं। उनके पास लम्बा कार्यकाल और अनुभव है। अभी उनके पास यूपी के डीजीपी पद पर कार्य करने को ढाई साल का वक्त है।

माघ मेले में श्रद्धालुओं की सेवा करें कांग्रेस कार्यकर्ता:बब्बर

लखनऊ (ईएमएस)। इलाहाबाद के पवित्र संगम तट पर अगले साल आयोजित होने वाले माघ मेले में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा से बचाने के लिये कांग्रेस सेवा दल तथा पार्टी कार्यकर्ता योगदान करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजबब्बर ने कांग्रेस सेवा दल तथा पार्टी कार्यकर्ताओं से अपेक्षा की कि इलाहाबाद के पवित्र संगम तट पर आयोजित होने वाले माघ मेला में परम्परागत तरीके से इस बार भी देश-विदेश एवं प्रदेश भर से आने वाले श्रद्धालुओं के बेहतर इन्तजाम एवं श्रद्धालुओं को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। प्रदेष कांग्रेस अध्यक्ष बब्बर ने माघ मेले के दौरान श्रद्धालुओं के बेहतर रहन-सहन एवं स्नान की व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने में कांग्रेस का सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक प्रमोद कुमार पाण्डेय को इलाहाबाद जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों तथा कार्यकर्ताओं का सहयोग लेते हुए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद के संगम तट पर आयोजित होने वाले प्रसिद्ध अर्धकुम्भ एवं कुम्भ मेले में कांग्रेस सेवादल द्वारा कैम्प का आयोजन किया जाता है तथा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं का सहयोग किया जाता रहा है।

नये साल में भाजपा और मोदी सरकार को मिले 'सद्बुद्धि': मायावती

लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने नये साल की शुभकामनाएं देने के बहाने भाजपा तथा केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कुदरत इन दोनों को नववर्ष में जनविरोधी नीतियों को लागू ना करने के लिये 'सद्बुद्धि' दे। यहां जारी एक बयान में बसपा मुखिया ने नोटबंदी और जीएसटी का जिक्र करते हुए एफआरडीआई का उल्लेख किया और कहा कि कुदरत से यही प्रार्थना है कि वह भाजपा तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को इतनी सद्बुद्धि जरूर दे कि वे नये वर्ष 2018 में अपनी घोर जनविरोधी सोच तथा नीतियों को लागू करने से बचें। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली 'अहंकारी' और 'निरंकुश' सरकार ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण नोटबन्दी करके पहले देश को ''आर्थिक आपातकाल'' जैसी स्थिति में डालकर परेशान किया। अब यह आशंका सभी देशवासियों को परेशान कर रही है कि बैंकों में रखा हुआ उनकी अपनी मेहनत की कमाई का धन भी उनका नहीं रह जायेगा।

टीवी कलाकार बनाने का झांसा देकर नाबालिग छात्रा से बलात्कार

सम्भल (ईएमएस)। जिले के बहजोई क्षेत्र में एक युवक को टीवी धारावाहिकों में काम दिलाने के बहाने दिल्ली ले जाकर 15 वर्षीय एक लड़की से बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार बहजोई थाना क्षेत्र की निवासी 15 वर्षीय छात्रा ने आरोप लगाया है कि ब्रह्म बाजार में उसे नृत्य सिखाने वाला आजाद नामक युवक उसे मुम्बई में टीवी धारावाहिकों में काम दिलाने की बात कह कर गत 23 दिसम्बर को अपने साथ ले गया था। मगर उसने उसे दिल्ली में रखकर अपनी हवस का शिकार बनाया।

लड़की के परिजन का आरोप है कि आजाद दरअसल मुस्लिम है, उसने हिन्दू बनकर मेलजोल बढ़ाया। उसने हिन्दू नाम से ही आधार कार्ड भी बनवाया था। वह पूर्व में भी लड़की को देहरादून ले गया था तब उसने वहां नृत्य प्रतियोगिता में पुरस्कार भी जीता था, लिहाजा घर के लोग उस पर भरोसा करते थे। आजाद उस लड़की को 23 दिसम्बर को उनकी बेटी को टीवी कलाकार बनाने के बहाने अपने साथ ले गया था, जब लड़की की कोई खबर नहीं मिली तो आजाद के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। जिसके बाद पुलिस ने गत दिवस छात्रा को दिल्ली में बरामद कर आरोपी आजाद हुसैन को गिरफ्तार कर लिया है।

कारोबारी के घर से नगद और ज्वैलरी ले जाने वाली नौकरानी हिरासत में

पटना में हुई गिरफ्तार,35 लाख नगद, 43 लाख की ज्वैलरी

पटना (ईएमएस)। घर में काम करने वाली एक नौकरानी ने घर वालों को ऐसी चंपत लगा दी थी कि घर पर हैरान परेशान हो गए थे। दरअसल झारखंड के कारोबारी के घर में काम करने वाली महिला के पास से चोरी के 35 लाख नगद और 43 लाख की ज्वैलरी बरामद हुई है। इस महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला का नाम रानी कुमारी है और उसकी उम्र 18 वर्ष साल है। यह महिला झारखंड के सीमेंट एवं पेट्रोल पंप कारोबारी के घर काम करती थी। पटना पुलिस ने रानी को नगद रूपये एवं ज्वैलरी के साथ गिरफ्तार किया है।

झारखंड के साहेबगंज जिले के नगर थाना इलाके में बड़े व्यवसायी सुनील कुमार भरतिया का घर है। वो अपनी वाइफ नीलम भरतिया के साथ रहते हैं। भरतिया पेट्रोल पंप के मालिक के साथ-साथ एक सीमेंट कंपनी का भी इनके पास सीएनएफ है। 28 दिसंबर को इन दोनों जगहों के कलेक्शन का कैश भरतिया ने घर के अलमारी के लॉकर में रखा था। पिछले एक साल से रानी इनके घर में साफ-सफाई का काम कर रही थी। अलमारी में कैश रखा होता है और उस इस बात की जानकारी रहती थी। बताया जा रहा है कि 28 दिसंबर की रात रानी कुमारी भरतिया के घर पर ही रूक गई थी। रात में उसने जूस में नशे की गोली मिला दी थी और पहले सुनील भरतिया को जूस पीने को दिया,फिर उनकी पत्नी नीलम को दिया। जूस पीते ही दोनों को नशा छाने लगा और दोनों बेहोश हो गए। अगले दिन 29 दिसंबर की सुबह इन्हें होश आया और घर में रानी को आवाज लगाई लेकिन रानी गायब थी। शक होने पर अलमारी के लॉकर को चेक किया तो उसमें रखे रुपए और ज्वैलरी गायब मिली। सुनील भरतिया ने साहेबगंज के एसपी को इस पूरे मामले की जानकारी दी और नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराया।

इसके बाद झारखंड पुलिस रानी को तलाश शुरु कर दी। साहेबगंज से फरार होने के बाद रानी उसी दिन मुंगेर पहुंची और वहां से पटना आ गई। साहेबगंज के एसपी ने पटना के एसएसपी मनु महाराज को पूरे मामले की जानकारी दी। झारखंड पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर पटना पुलिस ने बहादुरपुर थाना के संदलपुर इलाके में छापेमारी कर रानी को गिरफ्तार किया। रानी संदलपुर में अपनी बहन के घर छिपी हुई थी। पुलिस ने चोरी के कैश व ज्वैलरी भी बरामद कर ली। रानी ने सुनील भरतिया के घर में पहले भी 6 लाख रुपये की चोरी की थी। लेकिन किसी को शक नहीं हुआ था। लेकिन रानी के मोबइल पर पंजाब नेशनल बैंक के आए एक एसएमएस ने सारे राज खोलकर रख दिए है। रानी का एकाउंट है और उसमें 3 लाख रुपये जमा किये जाने के मैसेज आया था,बहरहाल,इस कार्रवाई की जानकारी पटना पुलिस ने झारखंड के साहेबगंज के एसपी को दे दी है।

विकास समीक्षा यात्रा के दौरान नीतिश ने खोज स्तूप से मिले 3,000 साल पुराने अवशेष

पुरातत्वविदों का एक दल शुरूआती खोज के लिये पहुंचा

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शेखपुरा जिला के एक गांव में एक स्तूप की खोज की थी,जहां से 1,000 ईसा पूर्व यानी करीब 3,000 साल पुराने अवशेष मिले हैं। इन अवशेषों में मिट्टी के पात्र या बर्तन हैं, जिनके पुरातार्तविक महत्व हैं। केपी जायसवाल अनुसंधान संस्थान के कार्यकारी निदेशक बिजॉय कुमार चौधरी ने कहा,'रविवार को उस जगह का दौरा किया,जहां कई अवशेषों को देखकर हम काफी रोमांचित हुए। ये अवशेष उनके पुरातन अस्तित्व का संकेत देते हैं। राज्य सरकार द्वारा संचालित यह संस्थान पटना संग्रहालय भवन में स्थित है, जो इतिहास एवं पुरातत्व के क्षेत्र में अनुसंधान करता है। चौधरी ने बताया,काले और लाल रंग में वस्तुओं के अवशेष करीब 1,000 ईसा पूर्व के प्रतीत होते हैं। हमें कुछ नक्काशीदार कलाकृति वाली लाल रंग की वस्तुएं भी मिलीं जो संभवत: नवपाषाण काल की हो सकती हैं। मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह से फोन पर निर्देश मिलने के बाद पुरातत्वविदों का एक दल शुरूआती खोज के लिये अरियारी खंड स्थित फारपर गांव रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य सरकार के विकास कार्यों का जायजा लेने के लिये अपनी 'विकास समीक्षा यात्रा' के तहत शुक्रवार को गांव की यात्रा पर थे। इस दौरान मुख्य सचिव भी मुख्यमंत्री के साथ थे। नीतीश की नजर जब इस स्तूप पर पड़ी,तब उन्होंने पाया यह तो कोई ऐतिहासिक एवं पुरातार्तविक महत्व वाला स्थान प्रतीत होता है।

इसके बाद ही मुख्य सचिव ने चौधरी को फोन किया था।यह गांव राज्य की राजधानी से करीब 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पुरातत्वविदों को वहां बुद्ध,भगवान विष्णु और कुछ देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां मिली हैं। चौधरी ने बताया इससे पहले भी जब हमारा संस्थान राज्यव्यापी खोज चला रहा था तब भी गांव में कुछ खंडित मूर्तियां मिली थीं। लेकिन उस वक्त ये स्तूप हमारी नजरों से छूट गया था।उन्होंने बताया कि शुरूआती खोज में इस स्थान का पुरातार्तविक महत्व सिद्ध हुआ है। चौधरी ने कहा,अब हमारी योजना वहां व्यापक खोज करने की है जिससे संभवत: वहां और भी प्राचीन कलाकृतियां मिलें और लोगों की नजरों से अब तक अनजान रहे इस जगह के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश पड़े। नीतीश कुमार को पुरातत्व में उनकी रुचि के लिये जाना जाता है।

इस सरकार में होगा वनटांगिया समुदाय का विकास: योगी

गोरखपुर (ईएमएस)। सबका साथ-सबक विकास का नारा लेकर चल रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आजादी के बाद से अबतक वनटांगिया समुदाय के लोग अपने अधिकारों से वंचित रहे और अब उनकी सरकार इस समुदाय के बाहुल्य वाले गांवों को राजस्व ग्राम घोषित करके उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ेगी। योगी ने नव वर्ष के अवसर पर महाराजगंज जिले के वनटांगिया गांवों को विकास और बुनियादी सुविधाओं की सौगात देने से पहले गोरखपुर में कहा, उनकी सरकार वनटांगिया लोगों को बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से लेकर अबतक वनटांगिया समुदाय के लोग अपने अधिकारों से वंचित रहे हैं। राजस्व गांव में सम्मिलित होने से इन जनजातीय लोगों को विकास की मुख्य धारा में जुड़ कर विकास की योजनाओं का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे चरण में अन्य 47 वनटांगिया बहुल गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा मिल जाएगा। इसप्रकार प्रदेश में कुल 65 वनटांगिया राजस्व गांव हो जाएंगे। उन्होंने कहा उनकी सरकार प्रदेश के 1625 अन्य गांवों को भी राजस्व ग्राम की फेहरिस्त में शामिल करने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में लगभग 300 फरियादियों की समस्याओं से संबंधित पत्र लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों के साथ मकर संक्रांति,खिचड़ी मेला और 11 से 13 जनवरी तक आयोजित हो रहे गोरखपुर महोत्सव की तैयारियों की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त की।

आपत्तिजनक पाठ्य सामग्री बांट रहे रामपाल के अनुयायियों को हिरासत में लिया

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में सतलोक आश्रम के संचालक संत रामपाल के दो दर्जन से अधिक अनुयायियों को पुलिस ने सोमवार को हिरासत में ले लिया। इन पर आपत्तिजनक पाठ्य सामग्री वितरित करने का आरोप है। उनके पास से बरामद प्रचार सामग्री में हिंदू धर्म और विभिन्न देवी-देवताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। पुलिस ने रामपाल के समर्थकों के पास से चार वाहन और भारी मात्रा में प्रचार सामग्री बरामद की गई है। सतलोक आश्रम हरियाणा के बरवाला में स्थित है, लेकिन यह लोग अलीगढ़ जलालपुर इलाके में पंपलेट व कई किताबें वितरित कर रहे थे। वहां से गुजर रहे भाजपा कार्यरताओं ने प्रचार सामग्री देख ली। बताया जा रहा है कि इसके बाद हिन्दूवादी संगठनों ने हंगामा कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी सिटी अतुल श्रीवास्तव के मुताबिक बाबा रामपाल के सभी 22 अनुयायियों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने की धारा समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताते चलें कि बीते 29 अगस्त को ही संत रामपाल के खिलाफ चल रहे दो मामलों में कोर्ट ने उन्हें बरी किया है। उनके खिलाफ दर्ज दो मामलों में जज मुकेश कुमार सुनवाई कर रहे थे। संत रामपाल पर सरकारी कार्य में बाधा डालने और आश्रम में जबरन लोगों को बंधक बनाने का केस दर्ज था। कबीर पंथी विचारधारा के समर्थक संत रामपाल दास देशद्रोह के एक मामले में इन दिनों हिसार जेल में बंद हैं।

छात्रों ने धूमधाम से मनाया नव वर्ष

बस्ती(ईएमएस)। नव वर्ष पर्व पर हर तरफ शुभकामनाओं का दौर देखा गया। विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये। सॉफ्टदेव टैली गुरु, कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान की ओर से मालवीय रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में नव वर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में लगभग 400 से अधिक छात्र एवं छात्राओ ने हिस्सा लिया । संस्था के प्रबंधक राम प्रीत प्रजापति ने सभी उपस्थित छात्र एवं छात्राओ को नववर्ष की बधाई दी । कार्यकर्म में संस्था के उप प्रबंधक शैलेन्द्र शर्मा, शुभम पाठक, शुभम मिश्रा, रुपेश श्रीवास्तवा, संदीप मिश्रा, अंजनी पाठक, रिया पाठक, अनुराग द्विवेदी, अम्ब्रेश निषाद, अरविन्द पाण्डेय, मनीष, प्रशांत एवं उत्कर्ष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे ।

तेजस्वी यादव ने कहा

बीते साल ने बदला जीवन, एक मिनट में बना डिप्टी सीएम से नेता प्रतिपक्ष

पटना (ईएमएस)। लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे और बिहार पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मानते हैं कि बीता साल उनके जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण साल था, जिसने उन्हें बदल कर रख दिया। 2017 की शुरुआत तेजस्वी ने उपमुख्यमंत्री के तौर पर की और छह महीने के बाद ही राजनीतिक उठापटक और भ्रष्टाचार का आरोप लगने के बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा और आरजेडी के हाथों से सत्ता भी जाती रही, इसका जिक्र उन्होंने अपने एक ट्वीट में किया है। तेजस्वी ने 2017 को अलविदा कहते हुए लिखा है कि यह वर्ष उनके लिए काफी रोचक रहा, जिसने उन्हें पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने लिखा कि वह एक समय बिहार के उपमुख्यमंत्री थे और फिर नेता प्रतिपक्ष बन गए। 2017 की शुरुआत तेजस्वी ने उपमुख्यमंत्री के तौर पर की और छह महीने के बाद ही राजनीतिक उठापटक और भ्रष्टाचार का आरोप लगने के बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा और आरजेडी के हाथों से सत्ता भी जाती रही, इसका जिक्र उन्होंने अपने एक ट्वीट में किया है। तेजस्वी ने कहा कि एक वर्ष में उनके साथ इतना परिवर्तन हो गया और इससे ज्यादा वह क्या उम्मीद कर सकते थे और क्या सीख सकते थे? उन्होंने 2017 का पूरी तरीके से आनंद उठाया और उन्हें कुछ बहुत कुछ सीखने को मिला। नए वर्ष 2018 में वह देश और बिहार के विकास के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

ग्रामीण युवाओं को डिजिटल इण्डिया से जोड़ना होगा: वर्मा

बस्ती(ईएमएस)। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को कम्प्यूटर तकनीक में दक्ष बनाकर ही डिजिटल भारत का संकल्प साकार हो सकेगा। यह विचार जिला चिकित्सालय बस्ती के आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा ने गोटवा कस्बे में विंग कम्प्यूटर सेन्टर का उद्घाटन करते हुये व्यक्त किया। प्रबंधक विनय मौर्य ने बताया कि छात्रों को अत्यन्त कम शुल्क पर प्रशिक्षण दिया जायेगा इसके साथ ही गरीब छात्रों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिलाया जायेगा।

इस अवसर पर पूर्व प्रमुख वीरेन्द्र चौधरी, डा. मनोज मिश्र, डा. आलोक रंजन, मनोज कुमार चौधरी, लालमणि प्रसाद, शिव प्रसाद चौधरी, सविता श्रीवास्तव, आराधना पाण्डेय, प्रवीण त्रिपाठी, डा. राजेश चौधरी, अमरेश चौधरी, ज्ञानदास चौधरी, आलोक आदि उपस्थित रहे।

पीड़ितों ने लगाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार

गोरखपुर (ईएमएस)। योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर के आठ युवक विदेश में फंसे हुए हैं। मलेशिया में नौकरी का झांसा देकर ट्रैवल एजेंट ने उन्हें फंसा दिया है। अब यह लोग वतन वापसी की आस में दिन रात खौफ के साये में काट रहे हैं। मामला खोराबारा इलाके का है, जहां जगदीशपुर गांव और उसके आस-पास के आठ लोग नौकरी के लिए मलेशिया गए थे। जब उन्हें पता चला कि जिस वीजा पर वह विदेश कमाने आए थे, वह वर्किंग वीजा के बजाए टूरिस्ट वीजा था. तब उनकी समझ में आया कि उन्हें ठग लिया गया है। इतना ही नहीं, एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव करने आए एजेंट उन युवकों के पासपोर्ट भी ले लिए। उनका टूरिस्ट वीजा 24 दिसंबर को खत्म हो गया है। मलेशिया में फंसे युवक की मां आशा देवी ने कहा कि पिछले महीने की 13 तारीख को मेरा बच्चा यहां से गया था। उसे एजेंट ने फर्जी वीजा दे दिया। हम मोदी और योगी से मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द वे बच्चों को मेरे पास भेज दें। परिजनों ने बताया कि नौकरी के नाम पर सभी से 80-80 हजार रुपए एजेंटों ने लिए थे। बताया था कि 40 हजार रुपए सैलरी मिलेगी. मगर एजेंट ने धोखा दिया।

डीएम ने किसान रेडियो से किया बेटी बचाओ का आवाहन

बस्ती(ईएमएस)। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार सिंह ने जनपद के एक मात्र एफ.एम. किसान रेडियो पर पहुंचकर नव वर्ष की शुभकामना दी। पत्नी उमा सिंह के साथ पहुंचे जिलाधिकारी ने रेडियो के माध्यम से नव वर्ष की शुभकामना देते हुये बेटी बचाओ, बेटी पढाओ, तम्बाकू निषेध आदि का संदेश दिया।

कहा कि रेडियो एक प्रभावशाली माध्यम है, इसके द्वारा मनोरंजन के साथ ही सरकार के कल्याणकारी नीतियों, योजनाओं को भी श्रोताओं तक पहुंचाया जाय साथ ही किसानों को उन्नतिशील कृषि तकनीक की भी जानकारी दी जाय।

आर.जे. धर्मेन्द्र कुमार और किसान रेडियो के सहयोगियों ने जिलाधिकारी का स्वागत करते हुये बताया कि रेडियो से अनेक लोकप्रिय कार्यक्रम प्रसारित होता है और ग्राम प्रधान से लेकर किसान तक सीधा संवाद बनाया जाय। ए.के. मणि त्रिपाठी, शुभम शुक्ल, श्रेया सिंह, मीनाराज, शीलम शुक्ला, शालिनी पाण्डेय आदि ने जिलाधिकारी का स्वागत किया।

शिव सागर स्कूल में अभिनेता फिरोज खान का स्वागत, छात्रों को सिखाए अभिनय के गुर

संवाददाता, सूरत। शहर के कड़ोदरा विस्तार में स्थित शिव सागर स्कूल (हलधरु) में फिल्मी कलाकार फिरोज खान उर्फ जान भाई सोनी टीवी सीरियल आहट, सब टीवी सीरियल बालवीर, जी टीवी सीरियल जब लव हुआ, फिल्म क्या सुपर कूल हैं हम, भूतनाथ, दिल बोले हडीप्पा आदि में बेहतरी भूमिका की अदायगी करने वाले फिल्म स्टार का जोरदार स्वागत स्कूल की ट्रस्टी श्रीमति वनिता ए. पटेल तथा संचालक श्रीमान सागर भाई ए. पटेल ने किया। साथ ही बच्चों के बीच जाकर फिरोजखान का परिचय करवाया। किसी फिल्मी कलाकार के आगमन की बात जानकर विद्यालय के सभी बच्चे फूले नहीं समाये। क्योंकि ऐसा कड़ोदरा विस्तार में पहली बार हुआ कि इतने बड़े कलाकार का आगमन हुआ। फिरोज खान (जान भाई) ने बच्चों को फिल्मों में कैसे कार्य किया जाता है, यह बताया तथा अपने अंदर छिपे हुए टेलेन्ट को दिखाने का आह्वान किया।

विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित किए गए इस कार्यक्रम की अभिभावकों ने प्रशंसा की एवं संचालक श्रीमान सागर सर का बहुत-बहुत आभार प्रकट किया।

आरएमजी माहेश्वरी स्कूल ग्राउंड लाडवी

माली समाज की ओर से आयोजित क्रिकेट मैच का समापन

संवाददाता, सूरत। समस्त माली समाज सूरत की ओर से समाज में योग्यता और हुनर प्रतियोगिता का अवलोकन करने के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। समाज जन और आसपास के गांवो से सैकड़ों क्रिकेट प्रेमियों का हुजूम उमड़ा। आरएमजी माहेश्वरी स्कूल लाडवी के क्रिकेट ग्राउंड में हजारों महिलाओं और पुरुषों की उपस्थिति में क्रिकेट मैच का समापन हुआ। वैभव लाइन्स और डीएस बालाजी की भिड़ंत में वैभव लाइन्स को 80 रन से विजेता घोषित किया। समस्त राजस्थान माली समाज की 21 टीमों ने भाग लिया। सेमी फाइनल में चार टीमों की बढ़त में वैभव लाइन्स और डीएस के साथ फाइनल मैच में वैभव लाइन्स को विजयी घोषित किया। समस्त राजस्थान माली समाज के अग्रणी और मिडिया प्रभारी रमेश परमार ने बताया कि हर वर्ष प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। समाज में युवा जागृति के लिए आयोजन किया जाता रहा है। मैच के समापन समारोह पर समस्त राजस्थान माली समाज के दर्शक और समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। विजेता टीम को समाज की तरफ से पारितोषिक कप अर्पण करके सम्मानित किया गया। एमपीएल-4, 2017-18 की क्रिकेट प्रतियोगिता में फाइनल मैच में विजेता टीम का समाज के प्रवासी भाजपा प्रभारी रजेन्द्र राठौड़ भी उपस्थित थे। उसके पूर्व टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। क्रिकेट टीमों ने रोचक माहौल बनाया। इस प्रतियोगिता में महिला मंडल माली समाज की शाखा भी उपस्थित थी। विधायक झंखना बहन पटेल ने समापन समारोह में भाग लिया।

मारवाड़ी युवा मंच की ओर से कैंसर जांच शिविर का आयोजन

सिटी लाइट अग्रसेन भवन में सोमवार व मंगलवार को कैंसर नि:शुल्क जांच

संवाददाता, सूरत। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के स्वर्णिम प्रोजेक्ट के तहत कैंसर डिटेक्शन मोबाइल बस द्वारा खोजो कैंसर, रोको कैंसर के तहत पूरे देश में नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन कर जरूरतमंदों की कैंसर संबंधी जांच की जा रही है। इस मुहिम के तहत मारवाड़ी युवा मंच सूरत इकाई की ओर से सूरत शहर में कैंसर डिटेक्शन बस दूसरी बार पहुंची। गत 29 व 30 दिसम्बर को परवत पाटिया के आई माता रोड स्थित श्रीश्यामा प्रसाद मुखर्जी कम्युनिटी हॉल में नि:शुल्क कैंसर की जांच की गई। बीते दिन सुबह आठ बजे से वीआईपी रोड स्थित श्याममंदिर से कैंसर जागरूकता के लिए बाइक रैली निकाली गई। यह रैली न्यू सिटी लाइट स्थित श्री मेहन्दीपुर बालाजी धाम पहुंच कर सम्पन्न हुई। सिटी लाइट इलाके के श्री महाराजा अग्रसेन भवन के पंचवटी हॉल में दो दिन सोमवार व मंगलवार को नि:शुल्क कैंसर जांच का आयोजन किया गया है। सोमवार को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक काफी लोगों ने कैंसर जांच, रक्त जांच सहित अन्य कई जांच कराया। इस दौरान मारवाड़ी युवामंच सूरत इकाई अध्यक्ष अजय अग्रवाल, मीडिया प्रभारी कपिश खाटूवाला, लक्ष्मीपति ग्रुप के संजय सरावगी, पौदार ग्रुप के सुमित पौदार, सुराना ग्रुप के संजय सुराणा सहित काफी तादाद में मारवाड़ी युवा मंच के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रिक्शा किराया वसूलने के लिए मालिक ने युवक को चाकू मार किया जख्मी

संवाददाता, सूरत। शहर के नानपुरा में एक माह का रिक्शा किराया समय पर न देने के कारण हुए विवाद में रिक्शा चालक युवक को दो लोंगो द्वारा चाकू मारकर घायल कर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट अठवा पुलिस में दर्ज कराई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नानपुरा के तनवीर मंजिल के सामने मटन मार्केट स्थित किराये के मकान में रहने वाले मोहम्मद जावेद किराये की रिक्शा चलाकर गुजारा करते हैं। जो पिछले एक माह से रिक्शे का किराया नहीं दिए थे। जिससे कारण रिक्शा मालिक ने शाम तक किराया चुकता करने के लिए फोन करके कहा था। अत: रिक्शा मालिक शरीफ और उनका बेटा अबरार और उसके साथ अन्य दो अज्ञात लोगों ने जब मोहम्मद जावेद मार्केट में चाय पीने के लिए गया तो उससे किराया देने के लिए कहा। इस बात को लेकर नोकझोंक हो गई और आरोपियों ने मोहम्मद जावेद को पकड़कर मारना शुरू कर दिया। जबकि अबरार ने अपने पास से चाकू निकाल मोहम्मद जावेद के दोनों हाथ और जांघ पर वार करके घायल कर दिया। घटना के संदर्भ में अठवा पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करके कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

मिल मालिक 10 प्रतिशत जॉब चार्ज बढ़ाने के लिए लामबंद

फोस्टा कपड़ा कारोबारियों की लड़ाई लड़ने को तैयार

बीमारी से त्रस्त व्यक्ति ने फांसी लगा दी जान

सूरत। भटार विस्तार उमा भवन के पास रहने वाले एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने बीमारी से परेशान होकर अपने फ्लैट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भटार के उमा भवन स्थित उदय ज्योति अपार्टमेंट,फ्लैट नं 602 में रहने वाले विमल गुलजारीलाल केडिया पिछले काफी समय से लीवर की बीमारी से त्रस्त थे। जिससे गत रोज विमलभाई ने बीमारी से परेशान होकर अपने घर में लगे पंखे के साथ दुपट्टा बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

छापा मारने गई पुलिस की जान पर बनी, स्थानियों ने बोला धावा

संवाददाता, सूरत। महिधरपुरा के चेवली शेरी में छापा मारने गई पुलिस पर हमला करके जान से मार देने की धमकी देने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिधरपुरा चेवली शेरी के मकान 4/558 में रविवार की रात 10.30 बजे किसी आशंका को लेकर स्थानीय पुलिस छापा मारने गई थी। उस दौरान आरोपी अशोक उर्फ डोकु चंपकलाल राणा (4/4357 चेवली शेरी बेगमपुरा), अशोक उर्फ डोकु की पत्नी अनिता, कंचनबेन चंपकलाल राणा, नयना परेश चंपकलाल राणा (घर नं. 4/558 चेवली शेरी) ने पुलिस के कार्य में बांधा डालकर पुलिस के साथ गाली गलौज की। इसके बाद अशोक उर्फ डोकु ने जान से मार देने के इरादे से कबाट के टूटे कांच के टुकड़े व कोई ज्वलनशील पदार्थ पुलिस के ऊपर फेंकतन की कोशिश की। घटना के संदर्भ में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करके कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

व्यापारी के घर को चोरों ने खंगाला, लाखों के जेवरात पर मारा हाथ

संवाददाता, सूरत। शहर के सिटी लाइट क्षेत्र में रहने वाले एक व्यापारी के घर में चोर ने प्रवेश करके करीब 10 लाख से अधिक कीमत के हीरा जड़ित जेवर चोरी करके फरार हो जाने की रिपोर्ट व्यापारी द्वारा पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है। चोर इनके घर में किसी समय प्रवेश करके बेडरूम के कबाट में रखे गए हीरा जड़ित कई तरह के आभूषण चोरी करके फरार हो गया। दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार आभूषणों की कुल कीमत 10,7500 रुपए आंकी गई है।

प्रोसेर्स की बैठक 10 जनवरी को

संवाददाता, सूरत। सूर्य पुत्री तापी किनारे बसी सूरत नगरी पूरे देश व विदेश में सिंथेटिक कपड़े व हीरे की चमक बिखेर रही है। लेकिन गत् वर्ष आठ नवम्बर को देश की आर्थिक मुद्रा में सबसे बड़ी मूल्य की एक हजार व पांच सौ रूपये को प्रचलन के बाहर करने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया। जिससे सूरत का कपड़ा कारोबार आर्थिक संकट के दौर में पहुंच गया। अभी कपड़ा बाजार नोटबंदी की मार से उबर नहीं पाया था कि केंद्रीय वित्तमंत्री अरूण जेटली ने 30 जून की आधीरात से जीएसटी लागू कर सूरत कपड़ा कारोबार को पूरी तरह से बे पटरी पर ला दिया। जीएसटी के विरोध में कपड़ा कारोबारी फोस्टा और अन्य संगठन के माध्यम से काफी दिनों तक आन्दोलन किया। लेकिन कपड़ा कारोबारियों को जीएसटी से राहत नहीं मिल सकी। सूरत के कपड़ा कारोबारियों को गुजरात विधान सभा चुनाव के बाद जीएसटी सरलीकरण की आशा थी। लेकिन उनके इस आशाओं पर भी पानी फिरता नजर आ रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार व केंद्र सरकार के बीच टेक्सटाइल व औद्योगिक नीति बनी है। उस नीति की चर्चा सूरत के कपड़ा उद्यमियों में हो रही है। सूरत में कपड़ा कारोबार का यही हाल रहा तो यहां के कपड़ा उद्यमी उत्तर प्रदेश में अपने युनिट बैठाने के लिए सोंचेगे। प्रोसेर्स युनियन आगामी 10 जनवरी को बैठक कर जॉब चार्ज में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का निर्णय लेंगे। कपड़ा कारोबारी इस निर्णय पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। कपड़ा कारोबारियों ने अपनी लड़ाई फोस्टा के मातहत लड़ने के लिए तैयार है।

जॉब चार्ज बढ़ना तय

प्रोसेर्स युनियन अध्यक्ष जीतू बखारिया ने कहा कि मिल जॉब वर्क के मैटेरियल, कारीगर खर्च सहित अन्य जरूरत की वस्तुओं पर जीएसटी लगने से जॉब वर्क खर्च में बढोतरी हुई है। इसलिए प्रोसेर्स युनियन सर्व सम्मति दस प्रतिशत जॉब चार्ज बढ़ाने के लिए तैयार है। इसमें फोस्टा की दखल अंदाजी नहीं चलेगी। इससे पहले भी जीएसटी मुद्दे पर फोस्टा व्यापारियों के लिए लड़ाई लड़ रही थी। लेकिन फोस्टा ने जीएसटी से कपड़ा कारोबारियों को राहत नहीं दिला सकी। अब फोस्टा फिर से कपड़ा कारोबारियों के हित की राग अलापने लगी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com